

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 497
02/12/2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

महासागरों में समुद्री कचरा

497 श्री जॉन ब्रिटास

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने कोविड-19 महामारी के कारण महासागरों में प्लास्टिक अपशिष्ट में वृद्धि पर गंभीरता से संज्ञान लिया है;
- (ख) यदि हाँ, तो इस समस्या को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और
- (ग) क्या सरकार समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के प्रबंधन हेतु प्रभावी तकनीकों का विकास करने के लिए अनुसंधान कर रही है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) जी, हां।
- (ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अपने संस्थानों के साथ मिलकर अपने परिसरों में एकल उपयोग प्लास्टिक को प्रतिबन्धित करके प्लास्टिक उपयोग पर रोक लगाकर इस दिशा में काम कर रहा है। इसके अतिरिक्त, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संस्थान जैसे कि राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (एन.सी.सी.आर.), समुद्री सजीव संसाधन और पारिस्थितिकी केंद्र (सी.एम.एल.आर.ई.), भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकोईस), तथा राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.आई.ओ.टी.) समुद्र तट की साफ-सफाई की गतिविधियां कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त मंत्रालय अभियान चलाने, व्याख्यान देने एवं वेबिनार की श्रृंखला के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट प्रदूषण के बारे में आम लोगों के बीच जागरूकता फैलाने पर भी काम कर रहा है।
- (ग) जी, हां। मंत्रालय राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र के माध्यम से समुद्र तट पर कचरे का परिमाणीकरण (मुख्य रूप से मेसो, मैक्रो एवं माइक्रोप्लास्टिक) करने, तथा जल एवं तलछट में तथा भिन्न बायोटा समेत वाणिज्यिक मछलियों, बाईवाल्स तथा मोलुस्का में माइक्रोप्लास्टिक सम्बन्धी अनुसंधान गतिविधियां कर रहा है। तटीय जल, समुद्र तट तथा अपतटीय तलछट तथा बायोटा से लिए गए नमूनों में माइक्रो/मेसो/मैक्रो प्लास्टिक प्रदूषण का विश्लेषण किया जाता है। मॉनसून के दौरान पूर्वी तट पर माइक्रोप्लास्टिक में काफी वृद्धि पायी गई है। रीवर माउथ के निकट वाले स्टेशनों पर माइक्रोप्लास्टिक संकेन्द्रणों की काफी अधिक संख्या थी। समुद्रतट कचरे सर्वेक्षण में पाया गया कि इंटरडाइडल जोन की तुलना में बैकशोर में अधिकतम संचयन हो रहा है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण समुद्री तटों की तुलना में शहरी समुद्र तटों पर अधिक तेजी से संचयन हो रहा है। यह भी पाया गया कि समुद्र तट पर अधिकांश अपशिष्ट में एकल उपयोग प्लास्टिक का योगदान 50 प्रतिशत से अधिक था।
